Prepp

Practice, Learn and Achieve
Your Goal with Prepp

UGC NET Exam

Konkani

Simplifying
Government Exams

SSC CHSL | IAS EXAM | RRB NTPC | NTSE | CDS
SSC CGL | CBSE UGC NET | IBPS PO | NDA
SBI PO | IBPS CLERK | AFCAT | SSC JE | CTET
CSIR UGC NET | CAPF | IBPS RRB

www.prepp.in

PAPER-II
KONKANI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No._____

(In words)

J 8 5 1 1

Time : **1 $^1/_4$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

KONKANI
कोंकणी
Paper – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt all the questions.

सूचना : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

सुचोवणी : हें प्रश्नपत्र शंबर (100) गुणांचें आसा. हांतूत **पन्नास (50)** भौपर्यायी प्रस्न आसात. दर एका प्रस्नाक **दोन (2)** गूण दवरल्यात. सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो दिवंच्यो. दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिलल्या A, B, C, D ह्या चार अक्षरांतल्या फावो त्या अक्षरांत दिवची.

1. कोंकणी भाशेचो आस्पाव भारतीय संविधानाचे आठवे बळेरींत खंयच्या वर्सा जालो ?
(A) 1930 (B) 1975
(C) 1992 (D) 1987

2. मो. सेबस्तियांव दालगाद हांणी 'कोंकणी पुर्तुगेझ शब्दकोश' मुंबयच्यान खंयच्या वर्सा उजवाडाक हाडलो ?
(A) 1893 A.D. (B) 1889 A.D.
(C) 1913 A.D. (D) 1921 A.D.

3. अंदूच्या वर्सा (2010) खंयच्या दोन गोंयकार संपूतांची जल्मशताब्दी गोंय राज्य मनयता ?
(A) बाकीबाब बोरकार - शंकर रामाणी
(B) पांडुरंग भांगी - दामोदर कोसंबी
(C) बाकीबाब बोरकार - दयानंद बांदोडकार
(D) बा.भ. बोरकार - र.वि. पंडीत

4. दो. राम मनोहर लोहिया हांच्या यादीक ओंपिल्ली यादस्तिका हांतल्या खंयच्या सुवातींनी आसात ?
(A) वास्को आनी पेडणें
(B) पेडणें आनी पणजे
(C) म्हापशां आनी मडगांव
(D) मडगांव आनी पणजे

5. 'ध्वन्यालोक' हो ग्रंथ कोणे रचलो ?
(A) भामक (B) आनंदवर्धन
(C) जगन्नाथ (D) कुंतक

6. हांतलें खंयचें पुस्तक भोवडीवर्णनाचें आसा ते वळखात.
(A) 'राजरत्नां'
(B) 'अरेबियन डेज़'
(C) 'चैतन्य'
(D) 'साद'

7. हांतूतली विशेशण आशिल्ली बरोबर वाक्यां खंयची तें वळखात.
1. सोबीत फुलां आमकां आवडटात.
2. सोबीतकाय कोणाक आवडना ?
3. ताका रोखडीच तान लागली.
4. उदक मेळटकूच तानेल्लो जीव धादोशी जालो.
(A) 1 आनी 4 (B) 2 आनी 3
(C) 3 आनी 1 (D) 2 आनी 1

8. 'सुर्याचो उजवो घोडो' हे कथेचो आसपाव आपणाल्या संकलनांत कोणे केलां ?
(A) दामोदर मावजो (B) जयंती नायक
(C) उदय भेंब्रो (D) चन्द्रकान्त केणी

9. 'आपूण मेलेबगर सर्ग दिसना' हे म्हणीचो बरोबर अर्थ खंयचो तें सांगात.
(A) मेल्या उपरांत सगीर वचून तो पळोवप.
(B) सगरि वचपाक मरुंक जाय.
(C) आपूण अणभव घेतलेबगर खंयच्याच गजालीचें मर्म कळना.
(D) मेल्लो मनीसच सगरि वता.

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

10. 'आदेवस करचो वेळू पावलो' हो मांडो रचपी कोण ?

(A) आर्नाल्द द मिनेझिस
(B) तोर्काद फिगरेदी
(C) जिझेलीन रिबेलु
(D) लिगोरियु द कोश्ता.

11. हांतलें कवितांचें पुस्तक खंयचें तें बरयात.

(A) 'कळे आनी झेले'
(B) 'दोतीचो देंवचार'
(C) 'अशी आयली ल्हारां'
(D) 'अमर उतरां'

12. सकला दिलल्यो कवितांच्यो वळी आनी तांचे कवी हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

(1) केन्ना हो दैवी पवित्र वेळ उदेतलो ! केन्ना सायबा उदेतलो.
(2) जागी जाल्या गोंयची सासाय
(3) देवा, कसली तुजी करणी ! केंस जाल्या धवे, नदर आजून तरणी.
(4) बैल फुडल्या पाडव्याक येंवचोना पुजेखातीर तिश्टचोना.

(5) मनोहरराय सरदेसाय
(6) पुंडलीक नायक
(7) बाकीबाब बोरकार
(8) पांडुरंग भांगी
(9) शंकर भांडारी
(10) ओलिविन्यु गोमिश

(A) 1 – 10; 2 – 7; 3 – 5; 4 – 6
(B) 1 – 9; 2 – 6; 3 – 8; 4 – 5
(C) 1 – 8; 2 – 5; 3 – 9; 4 – 7
(D) 1 – 10; 2 – 7; 3 – 6; 4 – 5

13. 'साद' ह्या कविता झेल्याचो कवी कोण ?

(A) निलबा खांडेकार
(B) बयाभाव
(C) पांडुरंग भांगी
(D) वामन सरदेसाय

14. सकयल दिल्ली खंयची साहित्यकृती नवलकाणी न्हय ?

(A) 'अरण्यकांड' (B) 'बांबर'
(C) 'भोगदंड' (D) 'निर्बळा'

15. सकयल दिल्ल्यो वळी कोणाच्या कवितेतल्यो आसात ?

"दिसता म्हाका सांगचें हांवें
सगळें तुका मनांतुलें
म्हऱ्यांत वता सांगूक पूण
सुटना उत्तर ओंठांतुलें"

(A) नयना आडारकार
(B) विजयाबाय सरमळकार
(C) नूतन साखरदांडे
(D) माया खरंगटे

16. 'चतुर्वर्ग फलप्राप्ती' अशें काव्यप्रयोजन सांगपी भारतीय साहित्यशास्त्रकार कोण ?

(A) वामन (B) विश्वनाथ
(C) मम्मट (D) रुद्रट

17. 'समग्र शणै गोंयबाब' ह्या पुस्तकाचे मुखेल संपादक कोण ?

(A) कमलाकर म्हाळशी
(B) श्याम वेरेकार
(C) शांताराम वर्दे वालावलीकार
(D) तानाजी हळर्णकार

18. उजवाडणेच्या वर्साप्रमाण सकयल दिलल्या पुस्तकांचो बरोबर क्रम खंयचो

(A) 'घननीळ, जोगलांचे झाड, अग्नी, यमन'
(B) 'जोगलांचे झाड, यमन, अग्नी, घननीळ'
(C) 'यमन, जोगलांचे झाड, अग्नी, घननीळ,'
(D) 'अग्नी, जोगलांचे झाड, यमन, घननीळ'

19. अस्तंती काव्य-शास्त्रांत 'पेरिईप्सुस' ह्या ग्रंथाचो रचनाकार कोण ?

(A) लोंजाइनिस (B) एरिस्टॉटल
(C) प्लेटो (D) इलियट

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

20. सकयल दिल्ल्या स्थापणुकेंतल्यान (Assertion) आनी तर्काच्या (Reason) आदारान फावो ती जाप वेंचून काडात.

स्थापना (Assertion) (A) : लेनर्ड ब्लूम फिल्ड हांचो भासविचार चाल-चलणुक वादाचे बुनयादीचेर आसा.

तर्काच्या (Reason) (B) : भास म्हळ्यार वेगळे पणाच्या भांडवलाचेर डबो आशिल्लो संवसार.

(A) (A) आनी (B) ही दोनय विधानां चूक आसात.

(B) विधान (A) बरोबर आनी विधान (B) चूक आसा.

(C) (A) आनी (B) ही दोनय विधानां बरोबर आसात.

(D) विधान (B) बरोबर आनी विधान (A) चूक आसा.

21. काकासायब कालेलकारांनी हांतलो खंयचोडलो गोंयकारांक मारलो ?

(A) "जांची आवयभास कोंकणी तांणी तिचेकडेन तिरस्कारान पळोवपाचें सोडून दिवन तिच्या अभ्यासाच्या कामाक लागचें."

(B) "म्हजे गोंयकार भावय ह्याफुडे वाऱ्यावैले बायलमनशेक आवय म्हुण पोटलून बसनासतना, आपणाले खाशेले आवैक मायेचे नदरेन पळोवन तिचो तायो-माथो करतले."

(C) "आवय भाशेक तिज्या हकाची सुवात मेळोवन दिवपाचो वगत आयला. गोंयच्या तरणाट्यांनो, हो व्हडलो वावर तुमकां करचेलो आसा"

(D) "ह्या साहित्यांतल्यान स्फूर्त घेवन आमचेर पातळिल्ले डणेपणाचें वागरें ना-नपश्चात जावन आमी मेकळेपणान तिका व्हडविकायेक पावयतले म्हणपाचो सपूत या शुभसमयार घेवंया."

22. हांतलें खंयचे पुस्तक निखट्या शब्दकोशाचे प्रस्तावनेचेर बरयलां ?

(A) 'कोंकणी शब्दसागर'

(B) 'दाल्गाद ऑन कोंकणी'

(C) 'व्होकाबुलारियो द लिंग्वा कानारी'

(D) 'आर्ते द लिंग्वा कानारींम'

23. हांतलें खंयचें वाक्य बरोबर आसा तें बस्यात.

(A) मीना काकोडकार आनी जयंती नायक ह्यो समकालीन कथा-लेखिका आसात.

(B) जयमाला दणायत आनी मीना काकोडकार ह्यो समकालीन कथा-लेखिका आसात.

(C) मीना काकोडकार आनी हेमा नायक ह्यो समकालीन कथा-लेखिका आसात.

(D) हेमा नायक आनी नयना नाडकर्णी ह्यो समकालीन कथा-लेखिका आसात.

24. शब्दशक्तीक लागून खंयचे अर्थ लाबतात ?

(A) वाच्यार्थ, लक्ष्यार्थ, व्यंग्यार्थ

(B) अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

(C) सरळ अर्थ आनी वांकडे अर्थ

(D) अर्थबहुलताय

25. विश्व कोंकणी साहित्य केन्द्र हांतल्या खंयच्या शारांत आसा ?

(A) नवी दिल्ली (B) कोचीन

(C) मंगळूर (D) मणिपाल

26. 'पाखां फुटप' हो वाक्प्रचार वापरून केल्लें हांतलों खंयचें वाक्य बरोबर आसा ?

(A) पिलांक पाखां फुटल्या बरोबर तीं उडपाक लागलीं

(B) पावस येतकच मुयांक पांखां फुटतात.

(C) कॉलेजांत गेल्याबरोबर लीनाक पाखां फुटलीं.

(D) पाखां फुटप म्हळ्यार सुकण्यांनी व्हड जावप.

27. अणकारित कृती आनी अणकारपी हांची बरोबर जोडी खंयची ?

(A) जपुजी साहेब – सुरेश आमोणकार

(B) लावां-भुतां – पांडुरंग भांगी

(C) सूर भजन माला – ऑलिविन्यु गॉमिश

(D) दोन दंगाळी भात – एन्.एन्. आनंदन

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

28. सकयल दिल्या समासिक शब्दांचो समास खंयचो ?

1. घरदार
2. भाजीपालो

(A) बहुव्रिही (B) द्वंद्व
(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

29. स्वर-संधी कशी जाता ?

(A) व्यंजनांत स्वर भरसून
(B) स्वरांत स्वर भरसून
(C) व्यंजनांत व्यंजन भरसून
(D) स्वरांत विसर्ग (:) भरसून

30. 'उत्साह' हो स्थायीभाव खंयच्या रसाचो मानतात ?

(A) भयानक (B) करुण
(C) शृंगार (D) वीर

31. कोंकणी नेमाळ्यांचो थापणूकेच्या वर्सांप्रमाण फावो तो क्रम खंयचो ?

1. 'कोंकणी दिर्वे'
2. 'सांजेचें नकेत्र'
3. 'रोटी'
4. 'वावराड्याचो इश्ट'

(A) 2, 1, 3, 4 (B) 3, 2, 1, 4
(C) 1, 2, 4, 3 (D) 4, 1, 2, 3

32. कोंकणीत नाकये स्वर आनी व्यंजनां कशेरीतीन दाखयतात ?

(A) बरपांतल्या अनुस्वारान
(B) नाकया व्यंजनान
(C) अक्षरांचेर रफार दिवन
(D) अक्षरांसकयल कुरु करुन.

33. वाक्य पूर्ण करात -
वेगळ्या वेगळ्या कुळांतल्या भारतीय भासांभितर आयिलल्या
थळाव्या सारकेपणान लागून भारताक आयज -

(A) एक 'उपखंड' लेखतात
(B) एक 'भाशीक वाटार' लेखतात
(C) एक 'सांस्कृतीक वाटार' लेखतात
(D) एक 'भौभाशीक वाटार' लेखतात

34. डॅल हायम्स हाणे हांतलो खंयचो विचार मांडलो ?

(A) कोंकणीतली कांय विशेशणां क्रियाविशेशण अव्ययांत मोडनात.
(B) भाशेच्या व्याकरणीक गिन्यानावांगडा भाशेच्या वापराचें गिन्यानूय आसप गरजेचें
(C) अर्थाचो अभ्यास म्हळ्यार भाशेच्या अभ्यासाचें दुबळें आंग.
(D) उतर हें सगळ्यांत ल्हान भाशीक रूप न्हय.

35. अणकारित साहित्यकृतीक साहित्य अकादमीचो पुरस्कार फावो जालो तो योग्य क्रम हांतलो खंयचो ?

(A) धम्मपद, आनी तांकां मनशांत हाडले, रविंद्र नाथच्यो 101 कविता, एका विचाराची जीवित्वकथा.
(B) आनी तांकां मनशांत हाडले, रविंद्र नाथच्यो 101 कविता, धम्मपद, एका विचाराची जीवित्वकथा.
(C) आनी तांकां मनशांत हाडले, एका विचाराची जीवित्वकथा, धम्मपद, रविंद्र नाथच्यो 101 कविता.
(D) एका विचाराची जीवित्वकथा, धम्मपद, रविंद्र नाथच्यो 101 कविता, आनी तांकां मनशांत हाडले.

36. 'सुनापरान्त' ह्या नेमाळ्याचो पयलो संपादक कोण ?

(A) बाबली नायक (B) संदेश प्रभुदेसाय
(C) अनंत साळकार (D) चंद्रकान्त केणी

37. हांतलो खंयचो पर्याय बरोबर आसा ?

(A) 'समकालीन कोंकणी लघुकथा' हें संपादन पुं.ना. नायक हांचें आसा.
(B) 'कथा-अरुण' हें अरुणविशींच्याकथांचें पुस्तक आसा.
(C) 'अरण्याचो-अधिकार' हें रांनां खात्याच्या नेम आनी नेमावळींचेर बरयिल्लें पुस्तक आसा.
(D) 'एका विचाराची जीवित्वकथा' ह्या पुस्तकाची बरोवपी माधवी सरदेसाय आसा.

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

38. हांतल्या पुस्तकांच्या प्रकाशन काळा प्रमाण फावो तो प्रकाशन-क्रम खंयचो ?

(A) स्वतंत्र गोंयातली कोंकणी कविता, कथावली, समकालीन कोंकणी लघुकथा, कोंकणी ललित निबंद

(B) स्वतंत्र गोंयातली कोंकणी कविता, कोंकणी ललित निबंद, समकालीन कोंकणी लघुकथा, कथावली

(C) कथावली, स्वतंत्र गोंयातली कोंकणी कविता, समकालीन कोंकणी लघुकथा, कोंकणी ललित निबंद

(D) कथावली, समकालीन कोंकणी लघुकथा, स्वतंत्र गोंयातली कोंकणी कविता, कोंकणी ललित निबंद

39. हांतुतलें खंयचें विधान बरोबर ?

(A) व्याकरणी बांदावळ आनी सामान्य बांदावळ हांचे नदरेन हिंदी आनी उर्दू भितर व्हडलेशें वेगळेंपण ना.

(B) सांस्कृतिक नदरेन हिन्दी आनी उर्दू भितर कांय वेगळेंपण ना.

(C) व्याकरणी बांदावळीचे नदरेनूच हिंदी आनी उर्दू वेगळ्यो भासो.

(D) फकत सामान्य उतरावळीचे नदरेन हिन्दी आनी उर्दू वेगळ्यो भासो.

40. फावो त्यो जोड्या लायात.

(1) 'जनेलांचे जग' (5) कल्पना कामत

(2) 'जेवूनच वच रे' (6) मुकेश थळी

(3) 'सोर्तिकार' (7) रामकृष्ण जुवारकार

(4) 'म्हजो वेवसाय' (8) दत्ताराम सुखठणकार

(9) लक्ष्मणराव सरदेसाय

(A) 1 – 7; 2 – 5; 3 – 6; 4 – 9

(B) 1 – 6; 2 – 8; 3 – 5; 4 – 7

(C) 1 – 6; 2 – 9; 3 – 5; 4 – 7

(D) 1 – 7; 2 – 5; 3 – 6; 4 – 9

41. घडणुकांच्या वर्साप्रमाण फाव त्यो जोड्यो लायात.

(1) जेजुईतांचो मंगळूरातल्या छापखान्याची थापणूक (5) 1965

(2) कोंकणी भाशा मंडळ केरळ. (6) 1882

(3) भुरग्यांखातीर पयलो शब्दकोश. (7) 1894

(4) 'उदेंतीचे साळक' नेमाळ्याची उजवडावणी (8) 1878

(9) 1873

(A) 1 – 6; 2 – 5; 3 – 9; 4 – 7

(B) 1 – 6; 2 – 8; 3 – 9; 4 – 7

(C) 1 – 8; 2 – 9; 3 – 6; 4 – 5

(D) 1 – 9; 2 – 5; 3 – 8; 4 – 7

42. वसन्त भगवन्त सावन्त हांच्या कथा झेल्याचें नांव किदें ?

(A) सोद (B) निवलकाणयो

(C) कांदळां (D) साद

43. निलबा खांडेकार हांचो 'अग्नी' हो कविता झेलो खंयच्या वर्सा उजवाडून आयलो ?

(A) एप्रिल 1983

(B) मे 1987

(C) मे 1999

(D) डिसेंबर 2002

44. बरोवपी, साहित्यकृती आनी साहित्यप्रकार हांची बरोबर जोडी खंयची ?

(A) राजय पवार, डरनेका नाय, निबंद

(B) गजानन जोग, सोद, कथा

(C) वि.जे.पी. सालढाणा, बदलनातल्लो गांव, नवलकाणी

(D) जॉन क्लार फॅर्नांदीश, कुणबी जाकी, तियात्र

45. 'शक्तिपात' ही कोंकणी नवलिका हांतल्या खंयच्या मूळ नवलिकेवेल्यान रूपांतरीत केल्या ?

(A) 'चक्र' (B) 'गारंबीचा बापू'

(C) 'दिगंबरा' (D) 'गोतावळा'

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

सकयल दिल्लो उतारो वाचून ते उपरांत दिलल्या प्रस्नांच्यो जापो बरोवंच्यो.

साहित्य नियाळ हे संकल्पनेची व्याख्या कशी करची ? ताचे नदरेंत भरसारके गूण खंयचे आसुंयेतात ? साहित्य नियाळाचो हेतू कितें आसुंयेता ? ताचे फाटलीं तत्त्वां खंयचीं आनी ताचे सामकारा कसलीं मूल्यां आसूं शकतात ? विशेश गजाल म्हळ्यार, साहित्याक साहित्य नियाळावरवी कसलें योगदान मेळूंक शकता ? ह्या साबार प्रस्नांच्यो बांगडाच जापो दिवंक सोदप म्हळ्यार साहित्य नियाळाची शास्त्रशुद्ध परिभाशा मांडूंक पळोवप. हांव म्हणन 'साहित्याचेर वा खंयचेय साहित्य-कृतीचेर एकाद्रया संवेदनशीळ व्यक्तीन प्रगल्भ मतीन आनी चिकित्सक वृत्तीन केल्लें सूत्रबद्ध आनो समग्र भाश्य म्हळ्यार साहित्य-नियाळ. हें भाश्य मागीर संक्षिप्त आसूं वा विस्तृत, संकीर्ण आसूं वा सहजगम्य.'

बऱ्या नियाळाचें एक खाशेलेंपण म्हळ्यार ताची वाचनीयता. ही वाचनीयता साहित्य नियाळांत केळ्यतलो जाल्यार लेखकाकडेन नीज विचारसरणी, नेटकी बांदावळ आनी नेमको शास्त्रीय दिश्टीकोण आसूंक जाय. दरेका कृतीवांगडा हाचें त्रैराशीक बदलूंक जाय. जाल्यारच दरेक नियाळ नित्य नवें असें कितेंय दिवंक पावता. वांगडाच बरोवप्याकडेन विपुल वाचन, जोखती उतरावळ, संशोधकी वृत्ती आनी कलात्मक नदर आसची. ह्या सगळ्यांच्या सांगाताक जर भाशेची गिरेस्तकाय आनी नियाळाच्या वेग-वेगळ्या प्रकारांक सोबसारकी आकर्शक शैली हांचो हात धरुन, मेजको आटाप आनी चिंतनशील विश्लेषण हिंवूय जर साहित्य नियाळांत देंवलीं जाल्यार वाचप्याक गिन्याना वांगडा धादोसकाय लेगीत मेळटा. अशे तरेच्या साहित्य नियाळाचें साहित्यिक मोल तर वाडटाच, ताचो समिक्षकी दर्जोय श्रेश्ठ थारता. त्या नियाळाचो वाचपी आदरच न्हय, तर मोगय करुंक लागता. अशा साहित्य-नियाळाचें वाचन मागीर फकत साहित्य-समजणेक लागून वा गिन्याना खातीर जायना, मन-रमवणे खातीरुय वाचपी ताची पारायणां करता.

46. हांतली साहित्य नियाळाची शास्त्रशुद्ध परिभाशा खंयची ?

(A) संवेदनशील नदर आनी सूत्रबद्धता आशिल्लें लेखन.

(B) संवेदनशील भावपक्ष आनी विस्तृत भाश्य.

(C) संवेदनशील व्यक्तीन प्रगल्भ मतीन आनी चिकित्सक वृत्तीन केल्लें सूत्रबद्ध आनी समग्र भाश्य.

(D) साबार प्रस्नांच्यो वांगडाच जापो दिवपाची तांक.

47. बरो साहित्यिक नियाळ कसो आसचो ?

(A) सामको सरळ आनी त्रैराशीक मांडपी

(B) वाचनीय आनी कलात्मक

(C) वाचनीय, कलात्मक आनी संशोधकी वृत्ती आशिल्लो.

(D) विपुल वाचन, नेटकी बांदावळ आशिल्लो.

48. वाचप्यांक गिन्याना वांगडा धादोसकाय केन्ना मेळटा ?

(A) जेन्ना भाशेच्या गिरेस्तकायेसांगातान आकर्शक शैलीचो हात धरुन मेजको आटाप आनी चिंतनशील विश्लेषण आसता.

(B) नेमको शास्त्रीय दृश्टीकोण, विपुल वाचन, जोखती, उतरावळ आसता तेन्ना

(C) नियाळाचे वेगवेगळे प्रकार आनी जोखती उतरावळ आनी संशोधकी वृत्ती आसता तेन्ना.

(D) भाशेची गिरेस्तकाय आनी श्रेश्ठ समीक्षकी दर्जो आसता तेन्ना

49. साहित्य नियाळ करतना समीक्षकान खंयचो क्रम पाळपाचो ?

(A) वाचप, आस्वादन करप, समीक्षा करप, दृश्टीकोण समजून घेवप.

(B) वाचप, आस्वादन करप, दृश्टीकोण समजप, समीक्षा करप.

(C) दृश्टीकोण समजप, वाचप, आस्वादन करप, समीक्षा करप.

(D) वाचप, समीक्षा करप, आस्वादन करप, दृश्टीकोण समजप

50. बऱ्या साहित्य नियाळाचें पारायण कित्याक लागून जाता ?

(A) साहित्य समजणेक लागून

(B) मन-रमवणे खातीर

(C) गिन्याना खातीर

(D) समीक्षकी दर्जो सुदारपाखातीर

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

Prepp

Latest Sarkari jobs, Govt Exam alerts, Results and Vacancies

- Latest News and Notification
- Exam Paper Analysis
- Topic-wise weightage
- Previous Year Papers with Answer Key
- Preparation Strategy & Subject-wise Books

To know more **Click Here**

www.prepp.in